छत्तीसगढ़ विधान सभा

की

अशोधित कार्यवाही

(अधिकृत विवरण)

षष्ठम् विधान सभा **प्रथम सत्र**

मंगलवार, दिनांक 19 दिसम्बर, 2023

(अग्रहायण 28, शक सम्वत् 1945)

[अंक 01]

Web Copy

विधान सभा के पदाधिकारी

अध्यक्ष	डॉ. रमन सिंह
सचिव	श्री दिनेश शर्मा

अशोधित/प्रकाशन के लिये नहीं

सभापति तालिका

1. श्री विक्रम उसेण्डी
2. श्री धर्मजीत सिंह
3. श्री लखेश्वर बघेल
4. श्री दलेश्वर साहू

माननीय राज्यपाल

श्री विश्व भूषण हरिचन्दन

मंत्रिमण्डल के सदस्यों की सूची

श्री विष्णु देव साय, मुख्यमंत्री
श्री अरूण साव, उप मुख्यमंत्री
श्री विजय शर्मा, उप मुख्यमंत्री

.

अशोधित/प्रकाशन के लिये नहीं

सदस्यों की वर्णात्मक सूची
(निर्वाचन क्षेत्र का नाम तथा क्रमांक सहित)

अ

01.	अंबिका मरकाम, श्रीमती	56-सिहावा (अ.ज.जा.)
02.	अजय चन्द्राकर	57-कुरूद
03.	अटल श्रीवास्तव	25-कोटा
04.	अनिला भेंडिया, श्रीमती	60-डौंडीलोहारा (अ.ज.जा.)
05.	अनुज शर्मा	47-धरसींवा
06.	अमर अग्रवाल	30-बिलासपुर
07.	अरूण साव	26-लोरमी
08.	आशाराम नेताम	81-कांकेर (अ.ज.जा.)

इ

01.	इंद्र कुमार साहू	53-अभनपुर
02.	इंद्र साव	46-भाटापारा
03.	इन्द्रशाह मंडावी	78-मोहला-मानपुर (अ.ज.जा.)
04.	ईश्वर साहू	68-साजा

उ

01.	उत्तरी गनपत जांगड़े, श्रीमती	17-सारंगढ़ (अ.जा.)
02.	उद्धेश्वरी पैकरा, श्रीमती	08-सामरी (अ.ज.जा.)
03	उमेश पटेल	18-खरसिया

ओ

01.	ओंकार साहू	58-धमतरी
02.	ओम प्रकाश चौधरी (ओ.पी.चौधरी)	16-रायगढ़

अशोधित/प्रकाशन के लिए नहीं

क

01.	कवासी लखमा	90-कोन्टा (अ.ज.जा.)
02.	कविता प्राण लहरे, श्रीमती	43-बिलाईगढ़ (अ.जा.)
03.	किरण देव	86-जगदलपुर
04.	कुंवर सिंह निषाद	61-गुण्डरदेही
05.	केदार कश्यप	84-नारायणपुर (अ.ज.जा.)

ग

01.	गजेन्द्र यादव	64-दुर्ग शहर
02.	गुरू खुशवंत साहेब	52-आरंग (अ.जा.)
03.	गोमती साय, श्रीमती	14-पत्थलगांव (अ.ज.जा.)

च

01.	चरणदास महंत, डॉ.	35-सक्ती
02.	चातुरी नंद, श्रीमती	39-सराईपाली (अ.जा.)
03.	चैतराम अटामी	88-दंतेवाड़ा (अ.ज.जा.)

ज

01.	जनक ध्रुव	55-बिन्द्रानवागढ़ (अ.ज.जा.)

ट

01.	टंक राम वर्मा	45-बलौदाबाजार

ड

01.	डोमनलाल कोर्सेवाड़ा	67-अहिवारा (अ.जा.)

त

01.	तुलेश्वर हीरा सिंह मरकाम	23-पाली-तानाखार (अ.ज.जा.)

अशोधित/प्रकाशन के लिए नहीं

द

01.	दयाल दास बघेल	70-नवागढ़ (अ.जा.)
02.	दलेश्वर साहू	76-डोंगरगांव
03.	दिलीप लहरिया	32-मस्तूरी (अ.जा.)
04.	दीपेश साहू	69-बेमेतरा
05.	देवेंद्र यादव	65-भिलाई नगर
06.	द्वारिकाधीश यादव	41-खल्लारी

ध

01.	धरम लाल कौशिक	29-बिल्हा
02.	धर्मजीत सिंह	28-तखतपुर

न

01.	नीलकंठ टेकाम	82-केशकाल (अ.ज.जा.)

प

01.	पुन्नूलाल मोहले	27-मुंगेली (अ.जा.)
02.	पुरन्दर मिश्रा	50-रायपुर नगर (उत्तर)
03.	प्रणव कुमार मरपची	24-मरवाही (अ.ज.जा.)
04.	प्रबोध मिंज	09-लुण्ड्रा (अ.ज.जा.)
05.	प्रेमचंद पटेल	22-कटघोरा

फ

01.	फूल सिंह राठिया	20-रामपुर (अ.ज.जा.)

ब

01.	बघेल लखेश्वर	85-बस्तर (अ.ज.जा.)
02.	बालेश्वर साहू	37-जैजेपुर
03.	बृजमोहन अग्रवाल	51-रायपुर नगर (दक्षिण)
04.	ब्यास कश्यप	34-जांजगीर-चांपा

अशोधित/प्रकाशन के लिये नहीं

भ

01.	भावना बोहरा, श्रीमती	71-पण्डरिया
02.	भूपेश बघेल	62-पाटन
03.	भूलन सिंह मराबी	04-प्रेमनगर
04.	भैयालाल राजवाड़े	03-बैकुंठपुर
05.	भोला राम साहू	77-खुज्जी

म

01.	मोती लाल साहू	48-रायपुर ग्रामीण

य

01.	यशोदा नीलाम्बर वर्मा, श्रीमती	73-खैरागढ़
02.	योगेश्वर राजू सिन्हा	42-महासमुन्द

र

01.	रमन सिंह, डॉ.	75-राजनांदगांव
02.	राघवेन्द्र कुमार सिंह	33-अकलतरा
03.	राजेश अग्रवाल	10-अम्बिकापुर
04.	राजेश मूणत	49-रायपुर नगर (पश्चिम)
05.	रामविचार नेताम	07-रामानुजगंज (अ.ज.जा.)
06.	रामकुमार टोप्पो (पूर्व सैनिक)	11-सीतापुर (अ.ज.जा.)
07.	रामकुमार यादव	36-चंद्रपुर
08.	रायमुनी भगत, श्रीमती	12-जशपुर (अ.ज.जा.)
09.	रिकेश सेन	66-वैशाली नगर
10.	रेणुका सिंह सरूता, श्रीमती	01-भरतपुर-सोनहत (अ.ज.जा.)
11.	रोहित साहू	54-राजिम

ल

01.	लक्ष्मी राजवाड़े, श्रीमती	05- भटगांव
02.	लखन लाल देवांगन	21-कोरबा

अशोधित/प्रकाशन के लिये नहीं

03.	लता उसेंडी, सुश्री	83-कोण्डागांव (अ.ज.जा.)
04.	ललित चन्द्राकर	63-दुर्ग ग्रामीण
05.	लालजीत सिंह राठिया	19-धरमजयगढ़ (अ.ज.जा.)

व

01.	विक्रम उसेण्डी	79-अंतागढ़ (अ.ज.जा.)
02.	विक्रम मण्डावी	89-बीजापुर (अ.ज.जा.)
03.	विजय शर्मा	72-कवर्धा
04.	विद्यावती सिदार, श्रीमती	15-लैलूंगा (अ.ज.जा.)
05.	विनायक गोयल	87-चित्रकोट (अ.ज.जा.)
06.	विष्णु देव साय	13-कुनकुरी (अ.ज.जा.)

श

01.	शकुन्तला सिंह पोर्ते, श्रीमती	06-प्रतापपुर (अ.ज.जा.)
02.	शेषराज हरवंश, श्रीमती	38-पामगढ़ (अ.जा.)
03.	श्याम बिहारी जायसवाल	02-मनेन्द्रगढ़

स

01.	संगीता सिन्हा, श्रीमती	59-संजारी बालोद
02.	संदीप साहू	44-कसडोल
03.	संपत अग्रवाल	40-बसना
04.	सावित्री मनोज मण्डावी, श्रीमती	80-भानुप्रतापपुर (अ.ज.जा.)
05	सुशांत शुक्ला	31-बेलतरा

ह

01.	हर्षिता स्वामी बघेल, श्रीमती	74-डोंगरगढ़ (अ.जा.)

अशोधित/प्रकाशन के लिए नहीं

छत्तीसगढ़ विधान सभा

मंगलवार, दिनांक 19 दिसम्बर, 2023

(अग्रहायण-28, शक संवत् 1945)

विधान सभा पूर्वाहन 11.00 बजे समवेत हुई

(सामयिक अध्यक्ष महोदय (श्री रामविचार नेताम) पीठासीन हुए)

समय :

11.00 बजे **राष्ट्रगीत/राज्यगीत**

सामयिक अध्यक्ष महोदय :- अब राष्ट्रगीत "वंदे मातरम्" के साथ राज्यगीत "अरपा पइरी के धार" होगा । माननीय सदस्यों से अनुरोध है कि वे राष्ट्रगीत एवं राज्यगीत के लिये कृपया अपने स्थान पर खड़े हों ।

(राष्ट्रगीत "वंदे मातरम्" और राज्यगीत "अरपा पइरी के धार" का गायन किया गया)

समय :

11.03 बजे **निर्वाचित सदस्यों का स्वागत तथा एक मिनट का मौन**

सामयिक अध्यक्ष महोदय :- मैं, छत्तीसगढ़ की षष्ठम् विधानसभा के लिये निर्वाचित माननीय सदस्यों का इस विधान सभा में हार्दिक अभिनंदन एवं स्वागत करता हूं ।

प्रदेश की इस सर्वोच्च जनप्रतिनिधि संस्था के सदस्य के रूप में निर्वाचित हम सब जनप्रतिनिधियों पर प्रदेश के सर्वांगीण विकास एवं जनकल्याण का गुरूत्तर उत्तरदायित्व है । राज्य के चहुंमुखी विकास, सुख, शांति एवं समृद्धि के लिये हम सबको मिलकर सतत् प्रयास करना है ।

इस ऐतिहासिक एवं पवित्र अवसर पर सदन की कार्यवाही प्रारंभ करने के पूर्व स्थापित परम्परा अनुसार हम सभी खड़े होकर एक मिनट का मौन धारण करेंगे ।

(सदन द्वारा एक मिनट का मौन धारण किया गया)

श्री बृजमोहन अग्रवाल (रायपुर नगर दक्षिण) :- प्रोटेम स्पीकर साहब को बहुत-बहुत बधाई।

अशोधित/प्रकाशन के लिये नहीं

समय:
11.06 बजे

छत्तीसगढ़ की षष्ठम् विधान सभा के लिये निर्वाचित सदस्यों की सूची
पटल पर रखा जाना

सामयिक अध्यक्ष महोदय :- मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, छत्तीसगढ़ की ओर से प्राप्त भारत निर्वाचन आयोग की अधिसूचना क्रमांक 308/पूर्व अनु.-1/छ.ग.-वि.स./2023 दिनांक 04 दिसंबर, 2023 सचिव, विधान सभा पटल पर रखेंगे।

सचिव, छत्तीसगढ़ विधान सभा (श्री दिनेश शर्मा) :- मैं, माननीय सामयिक अध्यक्ष महोदय के आदेश के अनुसरण में मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, छत्तीसगढ़ की ओर से प्राप्त भारत निर्वाचन आयोग की अधिसूचना क्रमांक 308/पूर्व अनु.-1/छ.ग.-वि.स./2023 दिनांक 04 दिसंबर, 2023, जिसमें छत्तीसगढ़ की षष्ठम् विधान सभा के लिये निर्वाचित सदस्यों की सूची दी गई है, पटल पर रखता हूं।

समय :
11.07 बजे

सभापति तालिका की घोषणा

सामयिक अध्यक्ष महोदय :- विधान सभा की नियमावली के नियम 9 के उप नियम (1) के अधीन मैं निम्नलिखित सदस्यों को सभापति तालिका के लिये नाम-निर्दिष्ट करता हूं :-

1. श्री विक्रम उसेंडी
2. श्री धर्मजीत सिंह
3. श्री बघेल लखेश्वर
4. श्री दलेश्वर साहू

समय :
11.07 बजे

सदन को सूचना
शपथ ग्रहण की कार्यवाही का सीधा प्रसारण

सामयिक अध्यक्ष महोदय :- माननीय सदस्यों को सूचित किया जाता है कि छत्तीसगढ़ की षष्ठम् विधान सभा के प्रथम सत्र में माननीय सदस्यों के शपथ ग्रहण की कार्यवाही का सीधा प्रसारण दूरदर्शन केन्द्र रायपुर एवं निजी चैनलों द्वारा किया जा रहा है।

अशोधित/प्रकाशन के लिये नहीं

समय :

11.08 बजे

शपथ/प्रतिज्ञान

सामयिक अध्यक्ष महोदय :- समस्त माननीय सदस्य संविधान के अनुच्छेद-188 के अनुसरण में संविधान की तृतीय अनुसूची के निर्धारित प्रारूप में शपथ लेंगे/प्रतिज्ञान करेंगे।

परम्परानुसार सर्वप्रथम माननीय मुख्यमंत्री, जो सदन के नेता हैं, वो शपथ लेंगे/प्रतिज्ञान करेंगे तत्पश्चात् भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस दल के नेता, मंत्रिमंडल के सदस्य, सभापति तालिका के लिए नाम-निर्दिष्ट सदस्यगण शपथ लेंगे/प्रतिज्ञान करेंगे। इनके बाद शेष माननीय सदस्यगण क्रमश: निर्वाचन क्षेत्र क्रमांक के अनुसार नाम पुकारे जाने पर मेरे सामने आकर शपथ लेंगे/प्रतिज्ञान करेंगे और सचिव, विधान सभा की मेज पर रखी सदस्य नामावली पर अपने हस्ताक्षर करेंगे। जो माननीय सदस्य नाम पुकारे जाने पर अनुपस्थिति के कारण शपथ नहीं ले सकेंगे या प्रतिज्ञान नहीं कर सकेंगे, वे अंत में पुन: नाम पुकारे जाने पर शपथ ले सकेंगे या प्रतिज्ञान कर सकेंगे। माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी।

मुख्यमंत्री

1.	श्री विष्णुदेव साय	13-कुनकुरी (अ.ज.जा.)	(छत्तीसगढ़ी में शपथ)
			(मेजों की थपथपाहट)

नेता प्रतिपक्ष

2.	डॉ. चरणदास महंत	35-सक्ती	(छत्तीसगढ़ी में शपथ)
			(मेजों की थपथपाहट)

उप मुख्यमंत्री

3.	श्री अरूण साव	26-लोरमी	(छत्तीसगढ़ी में शपथ)
4.	श्री विजय शर्मा	72-कवर्धा	(छत्तीसगढ़ी में शपथ)

सदस्यगण (निर्वाचन क्षेत्र के क्रम में)

5.	श्री विक्रम उसेंडी	79-अंतागढ़ (अ.ज.जा.)	(छत्तीसगढ़ी में शपथ)
6.	श्री धर्मजीत सिंह	28-तखतपुर	(छत्तीसगढ़ी में शपथ)
7.	श्री लखेश्वर बघेल	85-बस्तर (अ.ज.जा.)	
8.	श्री दलेश्वर साहू	76-डोंगरगांव	
9.	श्रीमती रेणुका सिंह सरूता	01-भरतपुर-सोनहट (अ.ज.जा)	
10.	श्री श्याम बिहारी जायसवाल	02-मनेन्द्रगढ़	

अशोधित/प्रकाशन के लिए नहीं

11.	श्री भईया लाल राजवाड़े	03-बैकुंठपुर	
12.	श्री भूलन सिंह मराबी	04-प्रेमनगर	
13.	श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े	05-भटगांव	
14.	श्रीमती शकुन्तला सिंह पोर्ते	06-प्रतापपुर (अ.ज.जा.)	
15.	श्रीमती उद्धेश्वरी पैकरा	08-सामरी (अ.ज.जा.)	
16.	श्री प्रबोध मिंज	09-लुण्ड्रा (अ.ज.जा.)	
17.	श्री राजेश अग्रवाल	10-अम्बिकापुर	
18.	श्री रामकुमार टोप्पो	11-सीतापुर (अ.ज.जा.)	
19.	श्रीमती रायमुनी भगत	12-जशपुर (अ.ज.जा)	(मेजों की थपथपाहट)
20.	श्रीमती गोमती साय	14-पत्थलगांव (अ.ज.जा.)	(मेजों की थपथपाहट)
21.	श्रीमती विद्यावती सिदार	15-लैलूंगा (अ.ज.जा.)	(संस्कृत में शपथ)
22.	श्री ओ.पी. चौधरी	16-रायगढ़	(छत्तीसगढ़ी में शपथ)
23.	श्रीमती उत्तरी गनपत जांगड़े	17-सारंगढ़ (अ.जा.)	
24.	श्री उमेश पटेल	18-खरसिया	(छत्तीसगढ़ी में शपथ)
25.	श्री लालजीत सिंह राठिया	19-धर्मजयगढ़ (अ.ज.जा.)	
26.	श्री फूलसिंह राठिया	20-रामपुर (अ.ज.जा.)	(छत्तीसगढ़ी में शपथ)
27.	श्री लखन लाल देवांगन	21-कोरबा	(छत्तीसगढ़ी में शपथ)
28.	श्री प्रेमचंद पटेल	22-कटघोरा	(संस्कृत में शपथ)
29.	श्री तुलेश्वर हीरा सिंह मरकाम	23-पाली-तानाखार (अ.ज.जा.)	(छत्तीसगढ़ी में शपथ)
30.	श्री प्रणव कुमार मरपची	24. मरवाही (अ.ज.जा.)	
31.	श्री अटल श्रीवास्तव	25. कोटा	
32.	श्री पुन्नूलाल मोहले	27. मुंगेली (अ.जा)	
33.	श्री धरमलाल कौशिक	29. बिल्हा	(छत्तीसगढ़ी में शपथ)
34.	श्री अमर अग्रवाल	30. बिलासपुर	
35.	श्री सुशांत शुक्ला	31. बेलतरा	(छत्तीसगढ़ी में शपथ)
36.	श्री दिलीप लहरिया	32. मस्तूरी (अ.जा.)	
37.	श्री राघवेन्द्र कुमार सिंह	33- अकलतरा	(छत्तीसगढ़ी में शपथ) (मेजों की थपथपाहट)
38.	श्री ब्यास कश्यप	34- जांजगीर-चांपा	(छत्तीसगढ़ी में शपथ)
39.	श्री रामकुमार यादव	36- चन्द्रपुर	(छत्तीसगढ़ी में शपथ)

अशोधित/प्रकाशन के लिये नहीं

40.	श्री बालेश्वर साहू	37- जैजैपुर	
41.	श्रीमती शेषराज हरवंश	38- पामगढ़ (अ.जा.)	(छत्तीसगढ़ी में शपथ)
42.	श्रीमती चातुरी नंद	39-सराईपाली (अ.जा.)	(छत्तीसगढ़ी में शपथ)
43.	श्री सम्पत अग्रवाल	40- बसना	(छत्तीसगढ़ी में शपथ)
44.	श्री द्वारिकाधीश यादव	41-खल्लारी	
45.	श्री योगेश्वर राजू सिन्हा	42- महासमुन्द	
46.	श्रीमती कविता प्राण लहरे	43-बिलाईगढ़ (अ.जा.)	(छत्तीसगढ़ी में शपथ)
47.	श्री संदीप साहू	44- कसडोल	(छत्तीसगढ़ी में शपथ)
48.	श्री टंकराम वर्मा	45-बलौदाबाजार	(छत्तीसगढ़ी में शपथ)
49.	श्री इन्द्र साव	46-भाटापारा	
50.	श्री अनुज शर्मा	47-धरसींवा	(छत्तीसगढ़ी में शपथ)
51.	श्री मोतीलाल साहू	48-रायपुर ग्रामीण	
52.	श्री राजेश मूणत	49-रायपुर नगर पश्चिम	
53.	श्री पुरन्दर मिश्रा	50-रायपुर नगर उत्तर	
54.	श्री बृजमोहन अग्रवाल	51-रायपुर नगर दक्षिण	(छत्तीसगढ़ी में शपथ)
55.	श्री गुरू खुशवंत साहेब	52-आरंग (अ.जा.)	(संस्कृत में शपथ)
56.	श्री इन्द्र कुमार साहू	53-अभनपुर	
57.	श्री रोहित साहू	54-राजिम	
58.	श्री जनक ध्रुव	55-बिन्द्रानवागढ़ (अ.ज.जा.)	
59.	श्रीमती अंबिका मरकाम	56-सिहावा (अ.ज.जा.)	
60.	श्री अजय चंद्राकर	57-कुरूद	
61.	श्री ओंकार साहू	58-धमतरी	
62.	श्रीमती संगीता सिन्हा	59-संजारी बालोद	
63.	श्रीमती अनिला भेंडिया	60-डौंडीलोहारा (अ.ज.जा.)	(छत्तीसगढ़ी में शपथ)
64.	श्री कुंवर सिंह निषाद	61-गुण्डरदेही	(छत्तीसगढ़ी में शपथ)
65.	श्री भूपेश बघेल	62-पाटन	(छत्तीसगढ़ी में शपथ)
66.	श्री ललित चन्द्राकर	63-दुर्ग ग्रामीण	(छत्तीसगढ़ी में शपथ)
67.	श्री गजेन्द्र यादव	64-दुर्ग शहर	(छत्तीसगढ़ी में शपथ)
68.	श्री देवेन्द्र यादव	65-भिलाई नगर	
69.	श्री रिकेश सेन	66-वैशाली नगर	

अशोधित/प्रकाशन के लिये नहीं

70.	श्री डोमनलाल कोर्सेवाड़ा	67-अहिवारा (अ.जा.)	
71.	श्री ईश्वर साहू	68-साजा	
72.	श्री दीपेश साहू	69-बेमेतरा	(छत्तीसगढ़ी में शपथ)
73.	श्री दयालदास बघेल	70-नवागढ़ (अ.जा.)	
74	श्रीमती भावना बोहरा	71-पंडरिया	
75.	श्रीमती यशोदा निलाम्बर वर्मा	73-खैरागढ़	
76.	श्रीमती हर्षिता स्वामी बघेल	74-डोंगरगढ़ (अ.जा.)	
77.	डॉ. रमन सिंह	75-राजनांदगांव	
78.	श्री भोला राम साहू	77-खुज्जी	
79.	श्री इन्द्रशाह मंडावी	78-मोहला-मानपुर (अ.ज.जा.)	
80.	श्रीमती सावित्री मनोज मण्डावी	80-भानुप्रतापपुर (अ.ज.जा.)	
81.	श्री आशाराम नेताम	81-कांकेर (अ.ज.जा.)	(छत्तीसगढ़ी में शपथ)
82.	श्री नीलकंठ टेकाम	82-केशकाल (अ.ज.जा.)	
83.	सुश्री लता उसेंडी	83-कोन्डागांव (अ.ज.जा.)	(संस्कृत में शपथ)
84.	श्री केदार कश्यप	84-नारायणपुर (अ.ज.जा.)	(संस्कृत में शपथ)
85.	श्री किरण देव	86-जगदलपुर	
86.	श्री विनायक गोयल	87-चित्रकोट (अ.ज.जा.)	
87.	श्री चैतराम अटामी	88-दन्तेवाड़ा (अ.ज.जा.)	(संस्कृत में शपथ)
88.	श्री विक्रम मंडावी	89-बीजापुर (अ.ज.जा.)	
89.	श्री कवासी लखमा	90-कोंटा (अ.ज.जा.)	

समय :
12:25 बजे

अध्यक्षीय दीर्घा में अतिथि

विधान सभा के पूर्व अध्यक्ष श्री गौरीशंकर अग्रवाल

सामयिक अध्यक्ष महोदय :- अध्यक्षीय दीर्घा में विधान सभा के पूर्व अध्यक्ष श्री गौरीशंकर अग्रवाल जी उपस्थित हैं । सदन उनका स्वागत करता है । (मेजों की थपथपाहट)

श्री भूपेश बघेल :- अध्यक्ष जी, श्रीमती नेताम जी भी आई हैं, हम उनका भी स्वागत करते हैं ।

अशोधित/प्रकाशन के लिये नहीं

समय :
12:27 बजे

अध्यक्ष का निर्वाचन

सामयिक अध्यक्ष महोदय :- विधान सभा की प्रक्रिया तथा कार्य संचालन संबंधी नियमावली के नियम (7) के उप नियम (1) एवं (2) के अंतर्गत विधान सभा का अध्यक्ष चुने जाने के लिए माननीय सदस्य डॉ. रमन सिंह हेतु पृथक-पृथक प्रस्तावकों की ओर से पांच प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं ।

विधान सभा की प्रक्रिया तथा कार्य संचालन संबंधी नियमावली के नियम (7) के उप नियम (4) के अंतर्गत प्राप्त प्रस्ताव एक-एक करके उसी क्रम में रखे जाएंगे, जिस क्रम में वे प्रस्तुत किए गए हैं ।

समय :
12:28 बजे

प्रथम प्रस्ताव

मुख्यमंत्री (श्री विष्णु देव साय) :- अध्यक्ष महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूं कि-"डॉ. रमन सिंह, जो इस विधान सभा के सदस्य हैं, को विधान सभा का अध्यक्ष चुना जाए।"

उप मुख्यमंत्री (श्री अरूण साव) :- अध्यक्ष महोदय, नेता सदन ने जो प्रस्ताव प्रस्तुत किया है, मैं उसका समर्थन करता हूं । (मेजों की थपथपाहट)

द्वितीय प्रस्ताव

डॉ. चरणदास महंत (सक्ती) :- अध्यक्ष महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूं कि-"डॉ. रमन सिंह, जो इस विधान सभा के सदस्य हैं, को विधान सभा का अध्यक्ष चुना जाए।" (मेजों की थपथपाहट)

श्री भूपेश बघेल (पाटन) :- अध्यक्ष महोदय, मैं इस प्रस्ताव का समर्थन करता हूं । (मेजों की थपथपाहट)

तृतीय प्रस्ताव

श्री बृजमोहन अग्रवाल (रायपुर नगर दक्षिण) :- अध्यक्ष महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूं कि- "डॉ.रमन सिंह जी, जो इस विधान सभा के सदस्य हैं, को विधान सभा का अध्यक्ष चुना जाए।" (मेजों की थपथपाहट)

श्री पुन्नूलाल मोहले (मुंगेली) :- अध्यक्ष महोदय, मैं इस प्रस्ताव का समर्थन करता हूं । (मेजों की थपथपाहट)

अशोधित/प्रकाशन के लिये नहीं

चतुर्थ प्रस्ताव

श्री अजय चन्द्राकर (कुरूद) :- माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूं कि "डॉ. रमन सिंह जी, जो इस विधान सभा के सदस्य हैं, को विधानसभा का अध्यक्ष चुना जाए।" (मेजों की थपथपाहट)

उप मुख्यमंत्री (श्री विजय शर्मा) :- अध्यक्ष महोदय, मैं इस प्रस्ताव का समर्थन करता हूं। (मेजों की थपथपाहट)

पंचम प्रस्ताव

श्री केदार कश्यप (नारायणपुर) :- अध्यक्ष महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूं कि "डॉ. रमन सिंह जी, जो इस विधान सभा के सदस्य हैं, को विधान सभा का अध्यक्ष चुना जाए।" (मेजों की थपथपाहट)

श्रीमती भावना बोहरा (पंडरिया) :- अध्यक्ष महोदय, मैं इस प्रस्ताव का समर्थन करती हूं। (मेजों की थपथपाहट)

सामयिक अध्यक्ष महोदय :- सभी प्रस्ताव प्रस्तुत हुए कि- " डॉ. रमन सिंह, जो इस विधानसभा के सदस्य हैं, को विधान सभा का अध्यक्ष चुना जाए।" (मेजों की थपथपाहट)

चूंकि सभी पांचों प्रस्ताव एक समान हैं। अत: मैं पांचों प्रस्ताव पर एक साथ ही मत लूंगा।

सामयिक अध्यक्ष महोदय :- प्रश्न यह है कि - "डॉ. रमन सिंह, जो इस विधान सभा के सदस्य हैं, को विधान सभा का अध्यक्ष चुना जाए।"

प्रस्ताव सर्वसम्मति से स्वीकृत हुआ।

(मेजों की थपथपाहट)

सामयिक अध्यक्ष महोदय :- मैं, डॉ. रमन सिंह को सर्वसम्मति से विधान सभा का विधिवत् निर्वाचित अध्यक्ष घोषित करता हूं। (मेजों की थपथपाहट)

(माननीय सदस्यों द्वारा डॉ. रमन सिंह को उनके आसन पर जाकर बधाई दी गई)

सामयिक अध्यक्ष महोदय :- डॉ. रमन सिंह जी के अध्यक्ष पद पर निर्वाचित होने पर मैं अपनी ओर से एवं सदन की ओर से बधाई देता हूं एवं अभिनन्दन करता हूं। (मेजों की थपथपाहट) इस अवसर पर मैं, पक्ष एवं प्रतिपक्ष दोनों के ही सदस्यों की सराहना करता हूं, जिन्होंने इस सभा के सर्वोच्च पद पर डॉ. रमन सिंह जी को सर्वसम्मति से विधानसभा का अध्यक्ष निर्वाचित किया और छत्तीसगढ़ विधान सभा की उच्च कोटि की संसदीय परम्परा को और अधिक ऊंचाई दी है। (मेजों की थपथपाहट)

अशोधित/प्रकाशन के लिए नहीं

अध्यक्ष, इस सर्वोच्च जनप्रतिनिधि संस्था का प्रतीक है और मेरा विश्वास है कि आज इस पद पर सर्वसम्मति से आसीन होने वाले डॉ. रमन सिंह जी अपने दीर्घकालीन संसदीय अनुभव से दोनों पक्षों को साथ लेकर सदन का संचालन निष्पक्षता के साथ करेंगे। (मेजों की थपथपाहट)

मैं पुन: डॉ. रमन सिंह जी का अभिनन्दन करता हूं, बधाई देता हूं और अनुरोध करता हूं कि डॉ. रमन सिंह जी इस आसंदी को ग्रहण करें। (मेजों की थपथपाहट)

मेरा माननीय मुख्यमंत्री जी श्री विष्णुदेव साय एवं कांग्रेस विधायक दल के नेता माननीय डॉ. चरणदास महंत जी से अनुरोध है कि वे कृपया उन्हें ससम्मान आसंदी तक लायें।

(मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय एवं नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत द्वारा अध्यक्ष महोदय डॉ. रमन सिंह जी को आसंदी तक लाये)

समय
12.35 बजे **(अध्यक्ष महोदय (डॉ.रमन सिंह) पीठासीन हुये)**

<u>नवनिर्वाचित अध्यक्ष के प्रति उद्गार</u>

मुख्यमंत्री (श्री विष्णु देव साय) :- माननीय अध्यक्ष महोदय, आज के इस नये दायित्व के लिये माननीय अध्यक्ष डॉ.रमन सिंह जी को सदन के नेता के नाते पूरे सदन की तरफ से बहुत-बहुत बधाई और अपनी शुभकामनायें देता हूँ । (मेजों की थपथपाहट) मैं विपक्ष में नेता प्रतिपक्ष आदरणीय डॉ. चरणदास महंत जी, पूर्व मुख्यमंत्री आदरणीय बघेल जी को भी बधाई देता हूँ, जिन्होंने परम्परा को कायम रखा है । आदरणीय अध्यक्ष जी से पूरा सदन परिचित है और सबको लेकर चलने में विश्वास करते हैं, जो उनके दायित्व को निभाने में कारगर होगा । इस सदन के भीतर माननीय अध्यक्ष जी विधायक और मुख्यमंत्री भी रहे हैं, वे संसदीय कार्यप्रणाली और विधि विधायी प्रक्रिया के बड़े ज्ञाता हैं तो निश्चित रूप से यह सदन सुचारू रूप से चलेगा । माननीय अध्यक्ष जी, मध्यप्रदेश में भी विधायक रहे हैं, सांसद रहे हैं, केन्द्र में मंत्री रहे हैं, इनका एक लंबा अनुभव है और मेंरा सौभाग्य है कि मैं इनके साथ विधायक और सांसद के रूप में काम कर चुका हूँ । आपका लगातार सहयोग और मार्गदर्शन मुझे मिलता रहा है तथा सदन को भी आगे इनका मार्गदर्शन मिलता रहेगा । मैं पुन: इनको इस दायित्व के लिये अपनी तरफ से, पूरे सदन के तरफ से, बहुत-बहुत बधाई और शुभकामनायें देता हूँ । धन्यवाद । (मेंजों की थपथपाहट)

डॉ.चरणदास महंत (सक्ती) :- आदरणीय अध्यक्ष महोदय, आज इस पवित्र सदन में, छत्तीसगढ़ विधान सभा के षष्ठम विधान सभा में, अध्यक्ष निर्वाचित होने पर बहुत-बहुत बधाई देता हूँ और हम सब लोग यह कामना करते हैं कि आप हम सब के संरक्षक के रूप में यहां पर रहें, विराजें । अध्यक्ष महोदय,

हमने आपको सर्वसम्मति से चुना है, प्रतिपक्ष का भी समर्थन आपको है, हमारा समर्थन देना, हमारे संस्कार को प्रमाणित करता है, परिभाषित करता है । हम सदन में पक्ष में रहें या प्रतिपक्ष में रहें, यह महत्वपूर्ण नहीं हैं, लेकिन सदन में परस्पर समन्वय और सद्भाव हमारे हृदय में बना रहे, ये जरूरी है । आप हमारे सदन में विभिन्न रूपों में रहे। हम सब आपके स्वभाव को जानते हैं। आप एक बेहतर इंसान हैं। आपने छत्तीसगढ़ की 15 सालों तक सेवा की और हम सब ने आपको देखा हैं। छत्तीसगढ़ के लोगों के प्रति आपका भाव बहुत ही प्रशंसनीय रहा है। मैं आपके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूं और ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि आप इस पद की गरिमा को बेहतर ढंग से संभाले। अध्यक्ष महोदय, इस महत्वपूर्ण संवैधानिक पद पर आपको पाकर हम सब आश्वस्त हैं और विश्वास करते हैं कि पूरी संसदीय परंपराओं की, प्रक्रियाओं की जो ऊंचाई होनी चाहिए, उस ऊंचाई तक पहुंचाने में आप कामयाब होंगे। आज आप जहां पर बैठे हैं, वह मेरा अतीत है, आज मैं यहां हूं, यह मेरा वर्तमान है। वर्तमान का हमेशा अतीत के प्रति आदर और सद्भाव रहना चाहिए और रहेगा, मैं आपको विश्वास दिलाता हूं। हमारे सब साथी हर समय आपके साथ खड़े रहेंगे, मगर आपसे इधर-उधर की बातें निष्पक्षता से हो, यह हम चाहते हैं। हमने अपने कार्यकाल के दौरान आधे से ज्यादा समय इधर को दिया है, तो हम आपसे भी अपेक्षा रखते हैं कि आप उस बात का ख्याल रखें। आज का यह समय ज्यादा कहने का नहीं है मगर अध्यक्ष महोदय, मैं आपको बहुत पहले से जानता हूं। जब आप सांसद थे, हम दोनों सांसद थे। सदन में हम दोनों की अच्छी मित्रता थी और वह सबको खटकती थी। (हंसी)

श्री अजय चन्द्राकर :- अभी-भी आपको 14वां मंत्री बनायेंगे।

डॉ. चरणदास महंत :- देखते हैं।

श्री अरूण साव (उप मुख्यमंत्री) :- आप दोस्ती का ज्यादा लाभ उठाने की कोशिश मत करियेगा। (हंसी)

डॉ. चरणदास महंत :- अध्यक्ष महोदय, आपकी और हमारी दोस्ती को बहुत लोगों की नजर लगी थी (हंसी)।

श्री कवासी लखमा :- खासकर अजय चन्द्राकर जी की नजर लगी थी।

डॉ. चरणदास महंत :- अध्यक्ष महोदय, मैं आपको एक बात याद दिलाता हूं। आप संसद सदस्य से प्रदेश अध्यक्ष बने, तब थोड़ी-सी दरारे आने लगी। जब आप मुख्यमंत्री बने तो दरारे बढ़ गयी। आप अलग रहे, हम अलग रहे। फिर भी आपको एक पुराना गीत मैं याद दिलाना चाहता हूं "जो हममे तुममे करार था, तुम्हें याद हो कि न याद हो" (हंसी) (मेजों की थपथपाहट)। हमने अपने करार के मुताबिक तो आपको अपनी जगह दे दी, आपने अपने बारे में कभी नहीं सोचा। आप स्वस्थ रहे, हम सब का संरक्षण करें और आप पूरे सदन को एक भ्रातृत्व भाव से या पितृत्व भाव से निभायेंगे। इसी विश्वास के साथ हम आपको बहुत-बहुत बधाई देते हैं, आपका सम्मान करते हैं। यहां भाभी जी पधार रही हैं, हम उनको भी

अशोधित/प्रकाशन के लिए नहीं

बधाई देते हैं (मेजों की थपथपाहट)। मैं पुन: अपने तमाम साथियों की ओर से आपको बहुत-बहुत बधाई और हृदय से धन्यवाद देता हूं। (मेजों की थपथपाहट)

सामयिक अध्यक्ष :- श्री बृजमोहन अग्रवाल जी।

श्री बृजमोहन अग्रवाल (रायपुर नगर दक्षिण) :- माननीय अध्यक्ष महोदय, हम आपका अभिनंदन करते हैं, आपका स्वागत करते हैं और आपको बधाई देते हैं कि एक ऐसा व्यक्तित्व जो 6 बार विधान सभा का सदस्य रहा है, एक ऐसा व्यक्तित्व जो तीन बार इस प्रदेश का मुख्यमंत्री रहा है, एक ऐसा व्यक्तित्व, जिसके बारे में कहा जाता है कि वह सादगी, सरलता और विनम्रता की प्रतिमूर्ति है और इस समय तो इस सदन में लगभग तीनों प्रमुख एक ही स्वभाव के हैं (मेजों की थपथपाहट)। माननीय विधान सभा अध्यक्ष जी, माननीय मुख्यमंत्री जी और माननीय नेता प्रतिपक्ष जी, तीनों के स्वभाव लगभग एक जैसे हैं। सरलता, विनम्रता और सादगी एक जैसी है। मुझे यह लगता है कि तीनों का स्वाभाव मिलकर..। पूरे देश में छत्तीसगढ़ के सदन ने अपनी एक गरिमा बनायी। हमारे सदन में कभी बजट का guillotine नहीं हुआ। हमारा सदन कभी संक्षिप्त में समाप्त नहीं हुआ। हमारे सदन ने हमेशा पूर्ण गरिमा प्राप्त की है। हमारे सदन ने हमेशा अपना काम पूरा किया है। यहां पर आपके जैसा व्यक्तित्व बैठा है। इस सदन में बहुत से नये सदस्य आये हैं। मैं नये सदस्यों को शुभकामनाएं, बधाई देना चाहता हूँ। (मेजों की थपथपाहट) हम लोग अखाड़े से आये हैं। हम लोग कुश्ती लड़कर आये हैं, परन्तु इस सदन में सब सदस्य हैं। अगर वह मुख्यमंत्री जी भी हैं तो वह भी सदस्य हैं। अगर बाकी सदस्य हैं तो सबका लगभग बराबरी का दर्जा है। यहां सब विधायक हैं। सदन की एक गरिमा, विश्वास और अपना उच्च स्थान है। माननीय अध्यक्ष जी हम सब के संरक्षक हैं। हम सब मिलकर छत्तीसगढ़ की सबसे बड़ी पंचायत की गौरव, गरिमा को कैसे बढ़ा सकते हैं। हम पूरे देश में इस सदन के नियमों बारे में बताएं। पूरे देश में कहीं यह नियम नहीं है कि गर्भगृह में आने से स्वयमेव निलम्बित हो जाएंगे। यह पहला सदन है जहां पर गर्भगृह में आने से स्वयमेव निलम्बित होने की परम्परा है। इस सदन की उच्च परम्पराओं के निर्वहन में हमारे माननीय नवनिर्वाचित अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह जी के नेतृत्व में हम सबको, पूरे नये सदस्यों को संरक्षण मिलेगा। माननीय नेता प्रतिपक्ष जी यह मैं पहले बोल चुका हूँ कि आप भी उसी स्वभाव के हैं जिस स्वभाव के माननीय अध्यक्ष जी हैं, माननीय मुख्यमंत्री जी हैं। इस सदन में निश्चित रूप से कटाक्ष होंगे, आरोप प्रत्यारोप भी होंगे, परन्तु उसके बीच में हम सब रास्ता निकालकर इस सदन को अच्छे तरीके से चलाएं। छत्तीसगढ़ प्रदेश के भविष्य को बनाने, छत्तीसगढ़ के विकास के लिए और विकासशील छत्तीसगढ़ को विकसित छत्तीसगढ़ बनाने के लिए हमारी यह छत्तीसगढ़ की सबसे बड़ी पंचायत माननीय अध्यक्ष महोदय जी के नेतृत्व में ऐसा काम करेगी, अभी तक हम जो काम नहीं कर पाये हैं। यह षष्टम् विधान सभा है। हमारे माननीय नवनिर्वाचित अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह जी के नेतृत्व में षष्टम् विधान सभा ऊच्चाईयों तक पहुंचे। मैं उनको बहुत-बहुत शुभकामनाएं, बधाई देता हूँ। उनके

अशोधित/प्रकाशन के लिए नहीं

स्वस्थ और दीर्घ जीवन की कामना करता हूँ। मैं पुन: सभी सदस्यों को बहुत-बहुत शुभकामनाएं देते हुए, इस सदन की गरिमा को हम सब मिलकर बढ़ायेंगे।

माननीय अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने का अवसर दिया उसके लिए आपको बहुत-बहुत धन्यवाद् । जय छत्तीसगढ़ । (मेजों की थपथपाहट)

श्री अजय चन्द्राकर (कुरूद) :- माननीय अध्यक्ष महोदय, यह बहुत अद्भुत संयोग है। इस सदन में आपको माननीय अध्यक्ष कहने में प्रैक्टिस करनी पड़ेगी। जब माननीय गौरीशंकर अग्रवाल जी अध्यक्ष होते थे तो कई बार हम लोग उनको गौरी भईया कह देते थे। फिर धीरे-धीरे अध्यक्ष महोदय कहना स्वभाव में आया। अभी हम लोगों को आपको माननीय अध्यक्ष कहना स्वभाव में लाना पड़ेगा। आप, माननीय नेता प्रतिपक्ष और माननीय सदन के नेता में अद्भुत समानता है।

अध्यक्ष महोदय :- अच्छा।

श्री अजय चन्द्राकर :- माननीय अध्यक्ष महोदय, माननीय बृजमोहन जी ने तो गुणों का उल्लेख किया, पर आप लोग अपनी-अपनी पार्टी के अध्यक्ष रहे। आप लोग विधायक भी रहे, लम्बे समय तक विधायक रहे। आप सांसद भी रहे। डॉ. साहब एक ही बार रहे, लेकिन आप दोनों तो तीन-तीन, चार-चार बार सांसद रहे। मैंने अभी फिर से डॉ. साहब कह दिया। माननीय अध्यक्ष जी एक ही बार सांसद रहे, लेकिन आप लोग दो-दो, तीन-तीन बार सांसद रहे। इसका उल्लेख करना इसलिए जरूरी है कि इस सदन में लगभग 50 से ऊपर नये सदस्य आये हैं, उनको इसका लाभ मिलेगा।

माननीय अध्यक्ष महोदय, कुछ कालखण्डों को छोड़कर, जशपुर हाल से लेकर अब तक की यात्रा के आप साक्षी रहे। छत्तीसगढ़ की इस विधान सभा ने आप लोगों के नेतृत्व में बहुत सारे कानूनों को जन्म दिया, जिसके आप साक्षी और नेतृत्वकर्त्ता भी रहे। चाहे वह स्वच्छता का कानून हो, चाहे खाद्यान्न सुरक्षा का कानून हो, चाहे encroachment के खिलाफ कानून हो, स्किल हमारा अधिकार हो, बहुत सारे ऐसे कानून थे। ये कानून हिन्दुस्तान में पहली बार छत्तीसगढ़ की विधान सभा में पारित हुए और ये समूह उसका गवाह है। माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपके साथ-साथ, आज के नवनिर्वाचित हमारे माननीय नेता प्रतिपक्ष जी के गुणों का उल्लेख करते हुए सीधे-सादे और सरल कहा। मैंने उनके बारे में जो कहा मैं उसको अभी वापस ले लेता हूं, लेकिन कोशिश जारी रहेगी। आपके लिए भी एक सुनहरे भविष्य और अच्छे स्वास्थ्य की कामना करता हूं। हमारे विधायक दल के नेता और इस सदन के नेता माननीय विष्णुदेव साय जी भी आज पहली बार सदन में हैं। उनके लिए भी पूरे सदन की ओर से, हमारे विधायक दल की ओर से, सबकी ओर से ये कामना करते हैं। इसकी महान परंपरा, कुछ परंपराओं का उल्लेख माननीय बृजमोहन जी ने किया। हमने एक बार कोरोना के समय बजट को गिलोटिन से पास किया है। उसको वास्तव में उदाहरण नहीं माना जाना चाहिए। यह एक मात्र विधान सभा है जो कोरम के अभाव में आज तक कभी स्थगित नहीं हुई है। ऐसी-ऐसी बहुत सारी परंपरायें हैं जो अपने आप में छोटी

अशोधित/प्रकाशन के लिए नहीं

विधान सभाओं में पूरे देश में जानी जाती है। मैं सचेतक के सम्मेलन की एक बात का उल्लेख कर देता हूं। मैंने एक बार अवगत कराया कि छत्तीसगढ़ विधान सभा की अधिकतम बैठक 58 दिन हुई हैं, छोटी विधान सभाओं की अधिकतम बैठक हो जाये, उसकी अनुशंसा 45 से 50 दिन तक थी। छत्तीसगढ़ की अधिकतम बैठक 58 दिन हुई है, जब मैंने सचेतक सम्मेलन, पीठासीन अधिकारियों के सम्मेलन में अवगत करवाया तो वह आश्चर्यचकित थे कि इस छोटे से राज्य में आपके यहां क्या इतना बिजिनेश है, आप इतनी बैठकें कैसे कर लेते हैं? पर यह बात हमने बताई और यह भी बताया कि हमारे यहां 24 घंटे लगातार बैठने का रिकॉर्ड है, हम सुबह से लेकर शाम तक, रविवार के दिन भी यह विधान सभा की बैठक हुई है। यह ऐसे रिकॉर्ड हैं जो कभी दूसरी विधानसभाओं में नहीं बने। माननीय अध्यक्ष महोदय, आपके नेतृत्व में छत्तीसगढ़ विधान सभा अपनी परंपराओं को और मजबूत करेगी और हम ऐसे ही ऐतिहासिक कानून छत्तीसगढ़ की जनता के लिए बनायेंगे, छत्तीसगढ़ की जनता के लिए ऐतिहासिक अवसर, ऐतिहासिक सेवा इस पवित्र सदन के माध्यम से कर पायेंगे। माननीय अध्यक्ष महोदय, आपके प्रति बहुत सद्भावना व्यक्त करते हुए मैं अपनी बात समाप्त करता हूं।

श्री भूपेश बघेल (पाटन) :- माननीय अध्यक्ष महोदय, सर्वसम्मति से विधान सभा का अध्यक्ष चुनने पर आपको बधाई, शुभकामनाएं देता हूं। आपकी बहुत ही लंबी राजनीतिक यात्रा रही। मध्यप्रदेश की विधान सभा के सदस्य के रूप में, लोक सभा सदस्य, राज्य मंत्री के रूप में और फिर छत्तीसगढ़ में लगातार 15 साल मुख्यमंत्री के रूप में आपका कार्यकाल रहा है। माननीय अध्यक्ष महोदय, आपके बहुत सुदीर्घ राजनीतिक अनुभव का लाभ निश्चित रूप से सदन को मिलेगा। इस सदन की बहुत सारी परंपरायें रहीं हैं। इस पवित्र सदन ने नई-नई परंपरायें भी स्थापित किया है। उसमें आपका बड़ा योगदान रहा है। अध्यक्ष महोदय, अब भूमिकायें बदल गई हैं। पहले जब आप यहां बैठते थे, हम लोग जब इधर रहते थे तो खूब तेज आक्रमण करते थे। जब यह रिजल्ट आया मैं सोच रहा था कि अकेले ही भूतपूर्व मुख्यमंत्री रहूंगा लेकिन आपने रहने नहीं दिया। विष्णुदेव साय जी रहे, हम दो लोग भूतपूर्व मुख्यमंत्री हो गये। अध्यक्ष महोदय, अब आपकी भूमिका वहां हो गई है तो भूमिकायें बदलती रहती हैं। आपकी भी भूमिका बदल गई, मेरी भी भूमिका बदल गई तो पुराना हिसाब-किताब बराबर हो गया। (हंसी) (मेंजों की थपथपाहट) क्योंकि आप बराबर नहीं रखेंगे और आप वहां बैठे हैं और हमारी तरफ नजरें इनायत नहीं होगी तो हम लोगों को तो बड़ी मुश्किल होगी।

श्री बृजमोहन अग्रवाल :- भूपेश जी, इधर-उधर की बात ना कर, ये बता कि कारवां क्यों लूटा? (हंसी)

श्री भूपेश बघेल :- अभी बहुत समय है। इसके बारे में चर्चा करेंगे।

श्री अजय चन्द्राकर :- हम लोग तो सिर्फ 15 सदस्य थे, आप तो 35 सदस्य के साथ हो।

अशोधित/प्रकाशन के लिए नहीं

श्री भूपेश बघेल :- आप लोग सिर्फ 15 थे, लेकिन हमारे भूतपूर्व अध्यक्ष जी हम लोगों से ज्यादा समय आप लोगों को देते थे। हम वही याद दिला रहे हैं। हमारे नेता जी ने भी याद दिलाया और मैं भी याद दिला रहा हूं। आप लोग 15 होने के बावजूद भी आप लोगों को हम लोगों से ज्यादा समय मिलता था। हम लोग हमेशा अध्यक्ष जी के कक्ष में जाकर शिकायत करते थे कि 15 होने के बाद, 14 होने के बाद, 13 होने के बाद भी इनको ज्यादा समय देते हैं।

श्री रामविचार नेताम :- उसी का नतीजा है क्या? (हंसी)

श्री भूपेश बघेल :- अब हम लोग 35 हैं। कम नहीं हैं। माननीय अध्यक्ष महोदय, आसंदी में चाहे राजेन्द्र प्रसाद शुक्ल जी हो, प्रेमप्रकाश पाण्डेय जी हो, धरमलाल कौशिक जी हो, गौरीशंकर अग्रवाल जी हो और आखिरी में डॉ. चरणदास महंत जी रहे, सभी ने विपक्ष की आवाज को बराबर सदन में रखने का अवसर प्रदान किया है। यह परंपरा हमारे छत्तीसगढ़ विधान सभा की रही है। अध्यक्ष महोदय, आपसे भी यही अपेक्षा है कि हमारे पूर्व अध्यक्षों ने जो परंपरा बनाकर रखी है, उसे आप जारी रखेंगे। इस अवसर पर सभी सदस्यों को बधाई देता हूं। खासकर नये सदस्यों को बधाई देता हूं। बहुत सारे पुराने सदस्य आये हैं और कुछ पुराने सदस्य बिछड़े भी हैं। जो नये सदस्य आए हैं, मैं उन सबका स्वागत करता हूं। अध्यक्ष महोदय, भाभी जी भी इस अवसर पर यहां उपस्थित हैं। मैं उनका भी स्वागत, अभिनंदन करता हूं। पूरा परिवार भी यहां आया हुआ है, उनका भी मैं स्वागत, अभिनंदन करता हूं और अध्यक्ष महोदय, मैं आपके स्वस्थ जीवन और सुधीर यशस्वी जीवन की कामना करता हूं। धन्यवाद। (मेजों की थपथपाहट)

श्री धर्मजीत सिंह (तखतपुर) :- आदरणीय अध्यक्ष महोदय, आज हमें एक ऐसा व्यक्ति अध्यक्ष के रूप में प्राप्त हुआ है, जो शालीनता, शिष्टता, सौम्यता का अथाह सागर हैं। सागर अपनी मर्यादा भी कभी नहीं तोड़ता है। मैं उम्मीद करता हूं कि छत्तीसगढ़ ..।

श्री अजय चन्द्राकर :- सुनामी नहीं आती।

श्री धर्मजीत सिंह :- सुनामी बाहर से आकर सागर को दबाव नहीं डालेगा। सागर तो शांत रहता है। लोगों के लिए आकर्षण का केन्द्र रहता है। अध्यक्ष महोदय, आपका लंबा राजनीतिक अनुभव है। आप मध्यप्रदेश में विधायक थे। आप लोकसभा के सदस्य बने। आप अटल बिहारी बाजपेयी जी के मंत्रिमण्डल में मंत्री बने। फिर ढाई साल बाद आपसे इस्तीफा मांगा गया, आपने इस्तीफा दिया। आपको प्रदेश भेजा गया, आप भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बने । फिर आपने 15 साल तक इस प्रदेश की सेवा की। आप पूरे प्रदेश में चाउर वाले बाबा के रूप में जाने और पहजाने जाते हैं। आपने फूड के बारे में जो Act बनाया है, वह देश में एक नजीर और मिसाल भी बनी हुई है। अध्यक्ष महोदय, मेरा कहने का आशय सिर्फ यह है कि आप जिस भी पद पर बैठते हैं, उसे पूरी शालीनता और गंभीरता से निभाते हैं तथा आप उस पद की शोभा बढ़ाते हैं। हमारे छत्तीसगढ़ की विधान सभा का यह सौभाग्य है कि आपके पहले यहां के और जितने भी माननीय अध्यक्ष रहे हैं, राजेन्द्र प्रसाद शुक्ल से डॉ. चरणदास महंत जी तक, उन सभी ने अपने

दायित्वों का बखूबी निर्वहन किया। छत्तीसगढ़ की विधान सभा में कभी भी इतनी ज्यादा दूरी तक बहस का माहौल नहीं बना, जिसमें कटुता और गंदगी हो। माननीय अध्यक्ष महोदय, आप तो इस सदन में मुख्यमंत्री के रूप में विपक्ष का जवाब देते रहे और जब आप विपक्ष में भी बैठकर, जहां अभी भूपेश बघेल जी बैठे हैं, वहां आप बैठते थे। वहां से भी आप बहुत तर्कों के साथ, आंकड़ों के साथ भूपेश बघेल जी से प्रश्न पूछा करते थे। पात्र बदल गये, जगह बदल गयी, लेकिन हम आशा करते हैं कि हमारे यशस्वी मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जो एक सुदूर आदिवासी अंचल के आदिवासी परिवार के हैं, जिनका राजनीतिक अनुभव है, उनके द्वारा भी, इस पक्ष के द्वारा भी विपक्ष का सम्मान आपके माध्यम से हमारा पक्ष जरूर करेगा, क्योंकि आप हमारी खूबसूरती हैं। हमारे गाल में, चेहरे में एक टीका लगा दिया जाता है, आप उस तरीके हैं कि इधर नजर ना लगे। (मेजों की थपथपाहट) आपको जरूर अवसर मिलना चाहिए। दिक्कत क्या है? विधानसभा के जितने सत्र हो सके, आप ज्यादा से ज्यादा सत्र बुलाने की कोशिश करिये। इस पवित्र सदन में जब चर्चा होती है तो उसका एक ही परिणाम निकलता है कि जनता के हित में कोई न कोई अच्छा निर्णय होता है इसलिए विपक्ष का पूरा सम्मान है। आप अनुभवी लोग हैं। माननीय अध्यक्ष महोदय, जब आदरणीय महंत जी अध्यक्ष थे । उस समय कोरोना का भयंकर प्रकोप था । हम कांच के घेरे में गिरफ्तार सरीखे बैठे थे लेकिन हमारी जान की रक्षा करके भी इस सदन की मर्यादा को बनाना और चलाना यह चुनौतियां थीं । वे चाहते हुए भी कुछ काम नहीं कर पाये क्योंकि वह कोरोना का पीरियड था लेकिन अभी तो सब-कुछ ठीक है ।

माननीय अध्यक्ष महोदय, आप देखियेगा कि हमारे बहुत से विधायक अपने दायित्वों के निर्वहन के साथ ही कुछ अध्ययन के लिये भी बाहर जाना चाहते हैं । कुछ विदेशों का भी दौरा करना चाहते हैं, कुछ प्रदेश में भी दौरा करना चाहते हैं । आप कृपया उन्हें भेजिए न । मैंने आजतक आपको कभी गुस्से में देखा ही नहीं है । आप बहुत बड़े-बड़े पद पर रहे, आपके पास बहुत अधिकार थे लेकिन आपने कभी भी अपना गुस्सा किसी को नहीं दिखाया । चूंकि आप गुस्से में नहीं थे । अध्यक्ष महोदय, अब आप तो वहां बैठे हैं । न तो आप पक्ष हैं और न विपक्ष हैं, आप तो निष्पक्ष हैं । (मेजों की थपथपाहट) और एक निष्पक्ष आदमी न्याय करता है । एक निष्पक्ष आदमी उनकी बात को भी तरजीह देगा, एक निष्पक्ष आदमी से हमको भी तरजीह मिलेगी और आप एक ऐसा वातावरण बनायेंगे कि इस सदन में क्रांतिकारी निर्णय हो ताकि छत्तीसगढ़ की तस्वीर भी बदले, तकदीर भी बदले और यहां के गरीबों की आंखों से आंसू पोंछने के लिये, यहां की सरकार की हुकूमत का फरमान भी जारी हो सके । माननीय अध्यक्ष महोदय, आप मदद करियेगा, आप विपक्ष को भी देखियेगा क्योंकि मैं जब वहां बैठता था तो मैंने अध्यक्ष महोदय से ही कहा था, जो अभी नेता प्रतिपक्ष हैं कि माननीय महंत जी आप थोड़ा अपनी बांयीं तरफ ज्यादा देख लीजिये। आप देख लीजियेगा, कोई दिक्कत नहीं है, जरूर देखियेगा क्योंकि इस सदन में अगर आप लोग नहीं रहेंगे न तो सूना-सूना लगता है, फीका-फीका लगता है । हम बिना विपक्ष के क्या

अशोधित/प्रकाशन के लिए नहीं

बोलेंगे ? इस सदन में तो एक-बार बिना विपक्ष के भी 18-22 घंटे की चर्चा हो चुकी है । बिना विपक्ष के चर्चा हो चुकी है और बिना पक्ष के भी चर्चा हुई है । पक्ष नहीं है और केवल विपक्ष बोल रहा था यह भी उदाहरण यहां पर है तो वैसा नहीं है । आप पूरी शालीनता से चलाईये, पूरा सदन आपके साथ है । आपका अनुभव आपके पास है । आपकी शालीनता, शिष्टता, विद्वता, ज्ञान-विज्ञान सब-कुछ आपके पास है । इस सदन में हम सब अपनी छत्तीसगढ़ महतारी की सेवा के लिये कुछ अच्छे फैसले ले सकें । यह हमारा सौभाग्य होगा । आपको बहुत-बहुत शुभकामनाएं । आप जिस पद पर बैठते हैं, आप उस पद को सुशोभित कर देते हैं । आप इसे भी सुशोभित करेंगे और मैंने दो बातें कही । एक तो विधायकों की इच्छा होती है कि हिंदुस्तान के दूसरे प्रदेशों को भी देखें, विधायकों की इच्छा होती है कि विदेश में भी जो पार्लियामेंट्री सिस्टम है उसको देखें । आप तो ले जाना नहीं चाह रहे थे लेकिन कोरोना के कारण पासपोर्ट वापिस हो गया था । अब कोरोना नहीं है, आप जरूर देख लीजियेगा । जो पूर्व विधायक हैं उनके लिये भी आप ख्याल करियेगा । उनकी भी स्थिति बहुत अच्छी नहीं रहती है । मैं एक बात और कहना चाहता हूं कि श्री भूपेश बघेल जी ने जो विधानसभा भवन बनवाने का शिलान्यास करवाया था । वह क्यों नहीं बना ? कहां गया, मैं उस पर नहीं जाना चाहता लेकिन एक-बार विचार जरूर करियेगा कि डॉ. रमन सिंह विधानसभा अध्यक्ष के कार्यकाल में वह विधानसभा बना, यह यहां पर एक इतिहास भी बनना चाहिए । (मेजों की थपथपाहट) चूंकि पार्लियामेंट की भी बिल्डिंग बनी उसी के साथ यह शुरू हुआ था लेकिन यह नहीं बना है तो इस पर भी आप विचार करियेगा । माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपको अपनी ओर से बहुत-बहुत बधाई और शुभकामनाएं देता हूं ।

अध्यक्ष महोदय :- धन्यवाद । श्री कवासी लखमा जी ।

श्री बृजमोहन अग्रवाल :- अध्यक्ष महोदय, अब धर्मजीत जी की भी तो भूमिका बदल गयी है ।

श्री कवासी लखमा (कोंटा) :- हां, उनकी भी बदल गयी है ।

श्री बृजमोहन अग्रवाल :- सभी की भूमिका बदली है और धर्मजीत जी की भी भूमिका बदल गयी है लेकिन आपका जो भाषण है वह अभी उधर वाला ही हो रहा था।(हंसी)

श्री कवासी लखमा :- माननीय अध्यक्ष महोदय, वह कभी खत्म नहीं होगा ।

श्री अजय चंद्राकर :- लखमा जी, आप पहले यह बताईये कि आपने कितने लोगों को निपटाया है ?

श्री कवासी लखमा :- आप व्यर्थ की बात मन करना । (हंसी)

श्री बृजमोहन अग्रवाल :- अभी भाषण देने के लिये पढ़ने की जरूरत नहीं है । आप शपथ के लिये क्यों पढ़े ? उसको भी याद कर लेते ।

श्री कवासी लखमा :- अभी आप बताते जाना, मैं पढ़कर बताते जाउंगा ।

अशोधित/प्रकाशन के लिए नहीं

श्री अजय चंद्राकर :- मैं जो बोल रहा हूं गंगाजल छूकर बोल रहा हूं ऐसा बोलिये । गंगाजल पीकर बोल रहा हूं बोलिए ।

श्री कवासी लखमा :- मैं गंगाजल वाला नहीं हूं । (हंसी) देशी महुआ वाला हूं ।

श्री अजय चंद्राकर :- क्या वाले हो ? (हंसी)

श्री कवासी लखमा :- मुझे थोड़ा बोलने दो । माननीय डॉक्टर साहब आप अध्यक्ष बने । मैं पूरे सदन की तरफ से और हमारे बस्तर की जनता की तरफ से आपको बधाई देता हूं क्योंकि 15 साल हम लोग साथ-साथ में थे । अभी धर्मजीत जी बता रहे थे, मैं भी वही उल्लेख कर रहा हूं कि मैंने इन्हें कभी भी 15 सालों में गुस्सा होते नहीं देखा। हम खूब चिल्लाते थे, लेकिन हमने इन्हें कभी गुस्सा होते नहीं देखा। इसलिए विधान सभा में शुक्ला जी हो, चाहे डॉ. साहब हो, हमारे डॉ. साहब इधर बैठे हैं, अभी प्रतिपक्ष के हो गये हैं, थोड़ा सा बदल गये हैं, ये बदलते रहता है। जैसे दिन बदलता है, वैसे ही बदलते रहता है, लेकिन हम लोग चाहते थे कि आप उधर बैठें, लेकिन ऊपर वाले ने इधर बैठा दिया। हमारी कोई गलती नहीं है। न जनता की गलती है और न हमारे छत्तीसगढ़ के लोगों की गलती है। लेकिन ऊपर वाले की मर्जी। हम लोग और छत्तीसगढ़ की जनता भी चाह रही थी कि यहां आदिवासी मुख्यमंत्री हो, इसलिए उस पर विचार करते हुए बहुत सज्जन आदमी को, जोकि आपके जैसे ज्यादा सज्जन हैं, उनको मुख्यमंत्री बनायें (हंसी) मैं उनको बहुत-बहुत बधाई देता हूं। माननीय अध्यक्ष महोदय, आपने मुख्यमंत्री के रूप में और सांसद के रूप में जो काम किया है, उसे छत्तीसगढ़ के लोग नहीं भूलेंगे, लेकिन आप जिस रूप में वहां बैठे हैं, हम अब उस रूप को भी देखना चाहते हैं। हम इधर ज्यादा से ज्यादा आपको मदद करेंगे और आपको बधाई देंगे। आप उधर ज्यादा मत देखना (हंसी) ये तो वैसे ही बहुत लोग हैं, मंत्री लोग हैं, इसलिए हमारे क्षेत्र का विकास, चो बस्तर का हो, सरगुजा का हो, आदिवासी क्षेत्र का हो, वहां से पुराने-नये विधायक यहां चुनकर आये हैं, इसलिए आपको उनका संरक्षण करना है। मैं ज्यादा नहीं बोलते हुए कहना चाहूंगा कि हमें पूरा विश्वास है। 3 तारीख को वोटों की गिनती हुई, तब निर्णय हुआ कि हम प्रतिपक्ष में बैठेंगे। हमारी यह सोच थी कि प्रतिपक्ष के नेता के रूप में या तो भूपेश बघेल बैठेंगे या तो डॉ. चरणदास महंत जी बैठेंगे, हमारे ऊपर वाले ने वैसा ही कर दिया। हम यही सोच रहे थे कि आप जरूर मुख्यमंत्री बनेंगे, लेकिन वह सपना पूरा नहीं हुआ। अब यहां पर इस कुर्सी में बैठकर इसके दायित्व को पूरा करें। हम लोग आपका साथ देंगे और विधान सभा के अंदर जो भी निर्देश होगा, उसका पालन जरूर करेंगे। चाहे प्रतिपक्ष हो या पक्ष हो। इसी आशा के साथ मैं आपको आसंदी में बैठने के लिए बधाई देता हूं और हमारे छत्तीसगढ़ में आदिवासी मुख्यमंत्री बने हैं, उनके लिए भी बधाई देता हूं। आदिवासियों के पक्ष में बात करेंगे। पहले श्री बृजमोहन अग्रवाल जी का, अजय चन्द्राकर जी, मूणत जी ज्यादा चलता था, उसे चलने थोड़ा कम कर देना (हंसी) इसलिए हमारा पूरा विश्वास है कि वह थोड़ा कम होगा। हमारा विधान सभा अध्यक्ष हो, हमारे प्रतिपक्ष का नेता हो, आप भी 4-4 बार लोक सभा में

गये थे, हम लोग उधर नहीं पहुंचे, यहीं-यहीं घूम रहे हैं। अगर समय और अवसर मिलेगा तो हम लोग भी पहुंचने की कोशिश करेंगे। आपने बड़े-बड़े सदन में लोकसभा में देखा है, मुख्यमंत्री भी अच्छा चलायेंगे, आप भी अच्छा चलायेंगे, हमारे प्रतिपक्ष का नेता भी अच्छा होगा, इसी के साथ सबको, आपको, मुख्यमंत्री जी को और प्रतिपक्ष के नेता को, हमारे पूर्व मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल जी को और जो नये-नये विधायक आये हैं, उनको बधाई देता हूं। सब लोगों को सीखना है। सब लोगों को बॉल मारना है, जैसे क्रिकेट में मारते हैं न, वैसे मारना है। तब मजा आयेगा। धन्यवाद।

अध्यक्ष महोदय :- पटेल जी।

श्री उमेश पटेल (खरसिया) :- माननीय अध्यक्ष महोदय, आपका एक लंबा अनुभव रहा है, चाहे लोकसभा में हो, विधान सभा में हो और यहां तो 3 बार के मुख्यमंत्री के रूप में आपका कार्यकाल रहा है और आपका जो अनुभव पूरे राजनीतिक जीवन में रहा है, मुझे पूरी उम्मीद है कि आपके अनुभव का लाभ पूरे विधान सभा के सभी सदस्यों को मिलेगा। माननीय अध्यक्ष महोदय, आपसे केवल इतना ही निवेदन है कि हमने सर्वसम्मति से आपको अध्यक्ष पद पर निर्वाचित किया है और अभी तक की परंपरा यही रही है कि जो भी उस जगह पर बैठा है, उसने पहले इधर साइड को ज्यादा देखा है। तो आपसे यही निवेदन है कि आप भी अपनी निगाहें विपक्ष की तरफ ज्यादा रखेंगे और माननीय मुख्यमंत्री जी को, नेता प्रतिपक्ष जी को भी मैं बहुत-बहुत बधाई देता हूं और आपको भी बहुत-बहुत शुभकामनाएं। धन्यवाद।

अध्यक्ष महोदय :- राजेश जी।

श्री राजेश मूणत (रायपुर नगर पश्चिम) :- माननीय अध्यक्ष महोदय, एक सुखद अवसर है कि आपने अपनी यात्रा एक पार्षद के रूप में प्रारंभ की थी । एक छोटे जन-प्रतिनिधि के रूप में रहते रहते आपने विधान सभा सदस्य, लोक सभा सदस्य और केन्द्र के मंत्री के रूप में सेवा की और छत्तीसगढ़ में 15 साल बेमिसाल। गांव, गरीब, किसान, मजदूरों को आप जानते, पहचानने वाले । हर गली, मोहल्ले, चाहे बस्तर हो चाहे सरगुजा हो, चाहे डोंगरगढ़ हो, चाहे राजनांदगांव हो, चाहे सरायपाली का क्षेत्र हो । आपने सारे क्षेत्रों को घूमा है, सारे क्षेत्र आपके जाने पहचाने हैं । यहां की जनता की समस्या से आप रूबरू हो चुके हैं । आपके नेतृत्व में छत्तीसगढ़ राज्य प्रगति के पथ पर आगे बढ़े । आपके अनुभव का लाभ छत्तीसगढ़ की जनता को मिले । हम सबको आपका संरक्षण मिले। हमारी सोच और आपकी सोच एक ही है कि छत्तीसगढ़ राज्य प्रगतिशील राज्य के रूप में देश में स्थापित होना चाहिए । माननीय अटल बिहारी बाजपेयी जी ने छत्तीसगढ़ की नींव रखी कि छोटा राज्य हो, समृद्धशाली राज्य हो, खुशहाल राज्य हो । उस राज्य को आगे बढ़ाने के आपके अनुभवों का लाभ हम सबको मिले, ऐसी आशा व्यक्त करता हूं और आपके प्रति सुखद जीवन की कामना करते हुए यह भी आशा रखता हूं कि हम सबके प्रति आपका प्रेम बना रहे ।

अशोधित/प्रकाशन के लिए नहीं

समय :
1.12 बजे

<u>अध्यक्षीय दीर्घा में अतिथि</u>

<u>छत्तीसगढ़ विधान सभा के पूर्व अध्यक्ष श्री प्रेम प्रकाश पाण्डेय</u>

अध्यक्ष महोदय :- अध्यक्षीय दीर्घा में छत्तीसगढ़ विधान सभा के पूर्व अध्यक्ष श्री प्रेम प्रकाश पाण्डेय जी उपस्थित हैं (मेजो की थपथपाहट) । मैं सदन की ओर से उनका स्वागत् करता हूं ।

<u>नवनिर्वाचित अध्यक्ष के प्रति उद्‌गार (क्रमश:)</u>

श्री अनुज शर्मा (धरसींवा) :- माननीय अध्यक्ष महोदय, यह सौभाग्य की बात है कि तीन राज्यों का निर्माण हुआ और तीनों राज्यों में अपनी संसदीय परम्पराओं के कारण छत्तीसगढ़ ने पूरे देश और दुनिया में जो प्रतिष्ठा अर्जित की है, वह यहां की पवित्र संसदीय व्यवस्था की वजह से, यहां की विधान सभा की वजह से है । यह मेरा सौभाग्य है कि यह परिसर जिस क्षेत्र में है, मुझे वहां से प्रतिनिधित्व करने का मौका मिला है । इस क्षेत्र के जनप्रतिनिधि के रूप में, मैं आपका, मुख्यमंत्री जी का, नेता प्रतिपक्ष जी का और सभी सम्माननीय विधायकों का स्वागत् करता हूं, अभिनंदन करता हं । माननीय अध्यक्ष जी, आपकी गंभीरता, सौम्यता और आपके बड़प्पन को हम सभी ने अनुभव किया है । हम सब बहुत से लोग नए विधायक, नए जनप्रतिनिधि के रूप में चुनकर इस विधान सभा में आए हैं । आपका संरक्षण और आपका मार्गदर्शन हम सबको मिलेगा, यह हम सबके लिए सौभाग्य की बात है । यह हम सबके लिए सौभाग्य की बात इसलिए भी होगी क्योंकि आपके अनुभवों का भी हम सभी लोगों को फायदा मिलेगा । मैं आपको बधाई देना चाहूंगा कि जिस कुर्सी पर आप विराजमान हैं उसकी प्रतिष्ठा की उत्तरोत्तर वृद्‌धि होगी और आप जैसी शख्सियत के यहां आने से हम सबको बहुत कुछ सीखने को मिलेगा । पुन: आपका अभिनंदन ।

श्री प्रबोध मिंज (लुण्ड्रा) :- माननीय अध्यक्ष महोदय, सर्वप्रथम हम सब लोग अभी बहुत सी बातें सुन रहे थे । पहले तो आपको इस नये दायित्व के लिए बधाई । हम लोगों ने पहली बार इस सदन में प्रवेश किया है और अभी पता चला कि आधे से ज्यादा सदस्य नए हैं जो पहली बार इस सदन में आए हैं । यहां सदन के बड़े-बड़े ज्ञाता और इस सदन में बैठे कई वरिष्ठ लोग अपने-अपने संरक्षण की बात कर रहे हैं तो हम नये सदस्यों को डर लग रहा है । अगर बड़े-बड़ों को संरक्षण चाहिए तो हम जैसे नये लोग जो पहली बार आए हैं इनको तो बहुत बड़े संरक्षण की जरूरत पड़ेगी । आपका इतने वर्षों का अनुभव, इस राज्य को 15 सालों तक चलाने का अनुभव, पूरी स्थिति परिस्थिति और पूरे छत्तीसगढ़ के बारे में जो आपकी समझ है, संसदीय परम्पराओं की आपकी समझ है, उसके अनुरूप आप इस सदन को

अशोधित/प्रकाशन के लिये नहीं

बहुत गरिमापूर्ण और ऐतिहासिक बनाएंगे, ऐसी हम सब लोगों की आशा है और इस विषय के साथ कि हम नये सदस्य जो पहली बार आए हैं, यदि कुछ गलतियां होंगी या आपके विशेष संरक्षण की जरूरत होगी तो हम आपसे उम्मीद करते हैं । हम सब लोगों को इस सदन में आगे सीखने का अनुभव और अपने अपने क्षेत्रों में, जिस उद्देश्य को लेकर जनता ने हम सबको अपने-अपने क्षेत्रों से भेजा है, वहां के लिए हम कुछ कर सकें, उन क्षेत्रों का विकास कर सकें, छत्तीसगढ़ को आगे बढ़ा सकें। इस सदन में जब आए हैं तो नये सदस्यों की ओर से भी गुजारिश थी कि विशेष संरक्षण और विशेष सीख हम सबको मिले, इसी आशा और उम्मीद के साथ आपके उज्जवल भविष्य की कामना करता हूं। हमारे नेता प्रतिपक्ष जी नये बने हैं, उनकी सरलता, आपकी सरलता, हमारे मुख्यमंत्री जी हैं, उनकी सरलता हम सबको मिले, आप सभी विशेष लोगों का हम सबको आशीर्वाद प्राप्त हो, इसी आशा के साथ धन्यवाद, जय हिंद।

श्री सुशांत शुक्ला (बेलतरा) :- अध्यक्ष महोदय, आसंदी को प्रणाम करते हुए, आपको सर्वप्रथम छत्तीसगढ़ विधानसभा के सम्माननीय अध्यक्ष के रूप में शुभकामनांए समर्पित करता हूं और आशा करता हूं कि संसदीय इतिहास में तारामंडल और आकाशमंडल में देदित्वनय नक्षत्र के रूप में, आपके नेतृत्व में, यह विधानसभा प्रकाशमान होगा। परंतु एक विषय है कि नये सदस्य के रूप में जब हम आपसे संरक्षण की मांग करते हैं तो सत्ता पक्ष अपने पुराने काले-कारनामों पर संरक्षण की मांग करते हुए आज विपक्ष में बैठ चुका है। हम आपके संरक्षण के साथ-साथ प्रशिक्षण की भी मांग करते हैं कि एक प्राचार्य के रूप में हम सबको शिक्षित करके आने वाले समय में आपके प्रशिक्षित होने के साथ-साथ हम इस विधान सभा की प्रक्रिया का हिस्सा बन सकेंगे, अध्यक्ष महोदय, आपने हमें बोलने का अवसर दिया, उसके लिए आपको बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री रामकुमार यादव (चन्द्रपुर) :- अध्यक्ष जी, सबले पहली तो मैं माननीय अध्यक्ष जी ला बहुत सारा, ढेर सारी शुभकामना देत हौं और आज ये भी कहना चाहत हौं कि ए छत्तीसगढ़ के सदन में बहुत सारा, 6 बार, 7 बार के विधायक बनकर सदन के गरिमा बढ़ाय बर बइठे हे। यहां के बहुत खूबसूरती हे कि बड़े धनवान मन भी विधायक बने हे, कलाकार मन भी विधायक बने हे, प्रशासनिक अधिकारी मन भी विधायक बने हे और ए सदन में अइसे व्यक्ति भी विधायक बने हे जेन एक कक्षा पढ़े नई हे, वो भी ए सदन के अंदर में हे, अइसे भी विधायक ए सदन के अंदर में हे, जे अभी भी इंदिरा आवास में रथय, अर्थात् रामकुमार यादव वो भी आज ए सदन के अंदर में हे। अध्यक्ष महोदय, आपके बारे में हम अच्छी तरह से जानत हन, आप जिस प्रकार से समुद्र की पानी की तरह गंभीर हो, सबके भावना के कदर करथव, सबला एक भाईचारा बनाय के चलाय के प्रयास करथव, आपके बारे में हम पूरा प्रदेशवासी मन जानत हन। मैं आज ए अवसर पर यही निवेदन करिहंव कि ओती तो पहलवान हे, गुणवान हे, मंत्री हे, हमन ला ऐती ज्यादा समय के जरूरत हे, चूंकि परिवार ला चलाना रथे ता दोनों तरफ ला ले के चले बर लागथे। आज हम विपक्ष में हन, हमरो क्षेत्र के जनता मन चुन के भेजे हे, ठीक हे हमन आंकड़ा में कम

होगेन, लेकिन हमरो क्षेत्र के जनता मन हा उम्मीद करके भेजे हे कि हमर क्षेत्र के विकास करही, जनहित के मुद्दा ला लेकर छत्तीसगढ़ विधानसभा में उठाकर अपन क्षेत्र के विकास करही, ए उम्मीद के साथ हमन ला चुन के भेजे हे। हमर बृजमोहन अग्रवाल जी बहुत सुंदर बात बोलत रिहिस हे, मुख्यमंत्री के पहली हम सब सदस्य हन, उसी कड़ी में हम सब यहां पे 90 सदस्य हन, हमन ला आपके उपर मा पूरा भरोसा हे, जतके मया ओति मिलही, ओखर ले दुगुना हमन ला ऐति मिलही, हमन ला पूरा भरोसा हे। आप मन मोला बोले के मौका दे हौ, एखर लिए एक ठन दोहा बोलना चाहत हौं, काबर यादव हरव ता एक ठन दोहा के माध्यम से आप ला जोहार कर देथव-

भला प्रदेश ला हराय में छत्तीसगढ़ ला, जेमा छै-छै लगे बोहार हो,

धन्य हे छत्तीसगढ़ के जनता मन, हम सब ऐ मेर चुन के आय हन,

अउ अतके सुंदर अध्यक्ष बने हे, ओहर हमन के तरफ ले झोक लिही जोहार हो, जोहार हो, जोहार हो। (मेजों की थपथपाहट)

अध्यक्ष महोदय :- षष्ठम् विधान सभा के प्रथम सत्र के प्रथम दिवस पर आप सभी नव निर्वाचित सदस्यों का मैं स्वागत करता हूं, अभिनंदन करता हूं। (मेजों की थपथपाहट) इस षष्ठम् विधान सभा में पहली बार निर्वाचित सदस्य 50 की संख्या में है। यह बहुत बड़ी उपलब्धि है। (मेजों की थपथपाहट) वह 50 सभी सदस्यों को जो पहली बार निर्वाचित हुए, मैं उन्हें विशेष रूप से बधाई दूंगा। दूसरी बार निर्वाचित 15 सदस्य हैं और तीसरी बार निर्वाचित 10 सदस्य हैं। ऐसे 75 सदस्य ही हैं, जो पहली, दूसरी और तीसरी बार जीतकर आए हैं। हमारी 19 महिला सदस्य बहनें जीतकर आई हैं। (मेजों की थपथपाहट) उनको विशेष बधाई देना चाहता हूं, इस सदन में 20 प्रतिशत की उपस्थिति है और साथ ही साथ आप सबने जो अपनी भावना प्रकट की, मैं इतना ही कहना चाहूंगा कि निश्चित रूप से समय के अनुसार भूमिका बदलती है और आप जो मुझसे उम्मीद कर रहे हैं, 15 साल तक सत्ता दल के नेता के रूप में मैंने अपनी जवाबदारी का निर्वहन किया, पर आज मुझे इस पूरे सदन ने एक नई जवाबदारी दी है तो मैं आपको यह भरोसा दिलाना चाहता हूं कि अध्यक्ष की हैसियत से इसका शत प्रतिशत क्रियान्वयन करने का प्रयास करूंगा। (मेजों की थपथपाहट)

पूज्य बाबा गुरू घासीदास जी की जयंती के अवसर पर मैं उनके चरणों को नमन कर, आप सबके प्रति शुभकामनाएं व्यक्त करता हूं। इस आसंदी पर बैठकर मुझे पूज्य गुरू बाबा घासीदास जी के वचन याद आ रहे हैं - "मनखे-मनखे एक समान"। समाज में हर मनुष्य जो किसी भी जाति, धर्म और पंथ से संबंध रखता हो, वह मानवता की दृष्टि से एक समान है। बाबा घासीदास जी ने अपने विचारों के माध्यम से हमें एक समान समाज का जो दृष्टिकोण दिया, हम सभी का कर्तव्य है कि उसे इस प्रदेश में साकार करने में अपना योगदान दें।

अशोधित/प्रकाशन के लिए नहीं

मैं छत्तीसगढ़ महतारी के श्री चरणों को सादर नमन करता हूं। मर्यादा पुरूषोत्तम भगवान श्री राम का ननिहाल, अतीत का कौशल प्रदेश, हमारा छत्तीसगढ़ अनादि काल से हमारी संस्कृति का गौरवशाली प्रदेश बना हुआ है। आज षष्ठम विधान सभा के आरंभ के इस अवसर पर मैं आदिवासी अस्मिता के जयघोष शहीद वीर नारायण सिंह जी को सादर नमन करता हूं, मैं भक्त माता करमा को नमन करता हूं, मैं माता परमेश्वरी को नमन करता हूं, मैं माता शाकाम्भरी को नमन करता हूं। इस अवसर पर मैं इस राज्य के निर्माता भारत रत्न भूतपूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी जी को श्रद्धापूर्वक नमन करता हूं। मैं उन पुरखों को प्रणाम करता हूं, जिनके अथक व अनवरत परिश्रम से छत्तीसगढ़ राज्य का निर्माण संभव हो पाया।

आप सभी माननीय सदस्यों को विधान सभा का सदस्य निर्वाचित होने पर और इस सभा का सदस्य बनने पर मैं अपनी ओर से हार्दिक बधाई देता हूं। मैं नवनिर्वाचित मुख्यमंत्री माननीय श्री विष्णुदेव साय जी को, प्रतिपक्ष के नवमनोनीत नेता प्रतिपक्ष माननीय डॉ. चरणदास महंत जी को बधाई देता हूं। साहेब बंदिगी साहेब। (मेजों की थपथपाहट)

मैं हमारे दोनों नये उप मुख्यमंत्री माननीय श्री अरूण साव जी एवं माननीय श्री विजय शर्मा जी को शुभकामनाएं देता हूं। आज इस अवसर पर मैं आप सभी सदस्यों के सुखद व सफल संसदीय जीवन की कामना करता हूं।

मैं आपको यह विश्वास दिलाता हूं कि आप सभी ने मुझे यह जो महत्वपूर्ण जवाबदारी सौंपी है, उसका प्रत्येक परिस्थिति में ध्यान रखूंगा। यह सत्य है कि मेरी मातृ संस्था भारतीय जनता पार्टी है और मैं उसका एक साधारण सदस्य हूं, परंतु आज कर्तव्य पथ पर न्याय के इस आसन पर मुझे आसीन किया गया है। इस आसन पर बैठकर सदैव मेरी यह कोशिश होगी कि मैं दलीय प्रतिबद्धता से ऊपर उठकर संसदीय परंपराओं को मजबूत बनाने के लिए पक्ष-प्रतिपक्ष के प्रति समान भाव रखूं। इस सदन में मेरी भूमिका जरूर बदली है, परंतु भाव केवल एक ही है कि छत्तीसगढ़ विधान सभा का सफल संचालन और हमारे सदन की प्रक्रिया देश के लिए एक आदर्श बने। हम सभी को इस दिशा में मिलकर कार्य करना है कि छत्तीसगढ़ विधान सभा लोक कल्याण के लिए सभी को साथ लेकर आगे बढ़े, जिससे कि सबका साथ-सबका विकास का हमारा ध्येय धरातल पर साकार हो सके।

आप सभी माननीय सदस्यों ने आज सर्वसम्मति से विधान सभा अध्यक्ष की महत्वपूर्ण जवाबदारी को सौंपते हुए मुझे इस आसंदी पर आसीन किया है, आपके स्नेह और विश्वास के लिए मैं आप सभी के प्रति हृदय से आभार व्यक्त करता हूं। दो दशकों से लगातार मैं इस सदन का सदस्य रहा हूं, इस कारण मैं छत्तीसगढ़ विधान सभा की गौरवशाली परंपरा का प्रत्यक्ष साक्षी हूं। प्रथम विधान सभा से लेकर पंचम विधान सभा तक विधान सभा के सभी माननीय अध्यक्षगण ने अपने-अपने कार्यकाल में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय परिदृश्य में छत्तीसगढ़ विधान सभा के सम्मान को अपने प्रयासों से नई ऊंचाइयां दी हैं।

अशोधित/प्रकाशन के लिए नहीं

आज इस पद पर आसीन होने पर मुझे छत्तीसगढ़ विधान सभा के प्रथम अध्यक्ष श्री राजेन्द्र प्रसाद शुक्ला जी याद आ रहे हैं, जिस गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ वह इस सदन का संचालन करते थे, वह स्मृति आज भी मेरे मन में वैसी ही बनी हुई है। इसके साथ ही पूर्व में सदन के अध्यक्ष रहे श्री प्रेम प्रकाश पाण्डे जी, श्री धरमलाल कौशिक जी, श्री गौरीशंकर अग्रवाल जी और पूर्व अध्यक्ष डॉ. चरणदास महंत जी ने इस सदन की गरिमा को बरकरार रखते हुए जिस जिम्मेदारी के साथ विधान सभा का संचालन किया है, मैं आप सभी के सहयोग और मार्गदर्शन में इस परंपरा को अनवरत बनाये रखने का प्रयास करूंगा।

मैं अपने संसदीय अनुभव से आप सभी सदस्यों से यह कहना चाहता हूं कि आसंदी की निष्पक्षता किसी न्यायाधीश की तटस्थता जैसी नहीं होती। उसे तो सदन में अभिभावक के तौर पर काम करना पड़ता है । इसलिए संयुक्त परिवार की मुखिया की तरह आचरण करना पड़ता है । घर में सभी स्वभाव के लोग होते हैं । वे बातचीत करते हैं, हंसी-मजाक करते हैं, गर्मा-गर्मी बहस हो जाती है, लेकिन परिवार के मुखिया को सबको साथ लेकर चलना होता है । सदन में सबको इस प्रकार का अवसर मिले, जिसे वे अपना सर्वश्रेष्ठ इस प्रदेश के लिए सामने आ सके ।

छत्तीसगढ़ की षष्टम विधान सभा में वरिष्ठ और नवोदित सदस्य चुनकर आये हैं, राज्य की जनता जनार्दन ने आपको अपना प्रतिनिधि चुना है, आप पर अपना विश्वास जताया है । आप सभी का यह परम कर्तव्य है कि उस विश्वास को संरक्षित रखते हुए छत्तीसगढ़ के विकास और लोक कल्याण के लिए आप मन, वचन और कर्म से प्रतिबद्ध रहें । इस सदन में वरिष्ठ और नए सदस्यों का सुन्दर समन्वय है अर्थात् यह सदन अनुभव और ऊर्जा से परिपूर्ण है । पक्ष और प्रतिपक्ष के दोनों ही तरफ के वरिष्ठ सदस्यों से मेरा विनम्र और आग्रह है कि वे प्रथम बार चुनकर आयु हुए माननीय सदस्यों का मार्गदर्शन करें और संसदीय परम्पराओं एवं प्रक्रियाओं के विषय में उन्हें प्राथमिक जानकारी उपलब्ध कराएं । प्रथम सत्र के उपरान्त सभी सदस्यों के लिए संसदीय मार्गदर्शन हेतु प्रबोधन कार्यक्रम प्रस्तावित है जिसकी आपको यथा समय सूचना दी जाएगी ।

आज पूरा राष्ट्र महिला सशक्तिकरण के लिए कृत संकल्पित है, मुझे यह अवगत कराते हुए गर्व का अनुभव हो रहा है कि छत्तीसगढ़ की षष्टम विधान सभा के लिए कुल 19 महिला सदस्य निर्वाचित होकर सदन की सदस्य बनी हैं । जो इस सदन के सदस्य संख्या का लगभग 20 प्रतिशत हैं, मैं सभी माननीय महिला सदस्यों को उनके निर्वाचन पर विशेष रूप से बधाई देता हूं । (मेजों की थपथपाहट) मुझे इस बात की बहुत प्रसन्नता है कि नारी शक्ति के प्रति हमारे छत्तीसगढ़ राज्य में सम्मान और विश्वास का भाव लगातार बढ़ रहा है ।

इस अवसर पर षष्टम विधान सभा में प्रथम बार चुनकर आये माननीय सदस्यों से मेरा यह विशेष आग्रह है कि आप अपने संसदीय ज्ञान से संबंधित किसी भी जिज्ञासा के लिए विधान सभा

अशोधित/प्रकाशन के लिए नहीं

सचिवालय से सीधे तौर पर संपर्क करें । यह सचिवालय आपके सहयोग और मार्गदर्शन के लिए है । विधान सभा सचिवालय आपको हर प्रकार की जानकारी उपलब्ध कराने के लिए आपकी सेवा में है, आप विधान सभा सचिवालय का पूर्ण सहयोग लें और इस बात का आवश्यक रूप से ध्यान रखें कि राजनैतिक कार्य, व्यवहार संसदीय कार्य व्यवहार से बिल्कुल भिन्न होता है । इस सभा में किसी भी विषय पर आपको अपनी बात रखनी है तो आपको नियम और प्रक्रियाओं के तहत ही अवसर प्राप्त होंगे । आपके कार्य, व्यवहार और विचार से ही इस सदन की मर्यादा बंधी हुई है । इसे आप सभी आवश्यक रूप से स्मरण रखें ।

संसदीय लोकतंत्र में चुनाव के समय हम राजनीतिक पार्टी के प्रत्याशी होते हैं और निर्वाचित होने के बाद हम अपने क्षेत्र के समस्त नागरिकों के प्रति उत्तरदायी होते हैं । छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण के बाद से ही विधान सभा ने पूरे देश में अपनी प्रतिष्ठा बनाई है । कार्य संचालन के नियम में नियम 250 एक ऐसी व्यवस्था है, जिसमें छत्तीसगढ़ की संसदीय परम्परा का मूल चरित्र प्रदर्शित होता है । इस नियम के अनुसार कोई भी माननीय सदस्य अगर गर्भगृह में आकर कार्यवाही को बाधित करता है तो वह स्वयमेव निलंबित हो जाता है । इस नियम को बने 24 वर्ष होने को आये हैं, सदन ने इस नियम के जरिए विधान सभा की गरिमा को अक्षुण्ण रखा है । यह सदन प्रदेश के नागरिकों की समस्याओं पर चर्चा करने और उसका समाधान निकालने का एक पवित्र स्थान है । इस कार्य को सत्ता और विपक्ष के सदस्य बखूबी करेंगे, इसकी अपेक्षा जनता को होती है ।

लोकतंत्र को जागृत और जीवंत बनाए रखने में मीडिया/पत्रकारिता की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है । मतदाता अपना निर्णय सरकार और प्रतिपक्ष की परफॉर्मेंस के साथ-साथ, मीडिया के माहौल और मार्गदर्शन से प्रभावित होकर लेता है । सदन और जन सामान्य के बीच सेतु के रूप में हम उसकी भूमिका को महत्व देते आये हैं और आगे भी देंगे ।

मेरा यह विशवास है कि षष्ठम विधान सभा के आगामी सत्रों में सदन के नेता माननीय मुख्यमंत्री जी एवं माननीय नेता प्रतिपक्ष जी, माननीय दोनों उप मुख्यमंत्री और आप सभी सदस्यों का सदन के संचालन में मुझे सहयोग प्राप्त होगा। इसी अपेक्षा के साथ मैं अपनी वाणी को विराम देता हूं और आप सभी को आगामी नववर्ष की शुभकामनाएं देता हूं ।

धन्यवाद ।

जय हिन्द, जय भारत, जय छत्तीसगढ़ । (मेजों की थपथपाहट)

अध्यक्ष महोदय :- सभा का कार्य पूर्ण होने तक सभा के समय में वृद्धि की जाये, मैं समझता हूं कि आप सभी सहमत हैं ।

सदन द्वारा सहमति प्रदान की गई.

अशोधित/प्रकाशन के लिए नहीं

अध्यक्ष महोदय :- माननीय सदस्यों के लिए आज दोपहर के भोजन की व्यवस्था लॉबी स्थित कक्ष में और पत्रकारों के लिए प्रथम तल पर की गई है। कृपया सुविधा अनुसार भोजन ग्रहण करें।

समय :
1.30 बजे **मुख्य विपक्षी दल एवं नेता प्रतिपक्ष की घोषणा**

अध्यक्ष महोदय :- षष्ठम विधान सभा में प्रतिपक्ष दलों में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के सदस्यों की संख्या सबसे अधिक है। इसलिए गणपूर्ति के लिए आवश्यक सदस्यों की संख्या में है। इसलिए मैं भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस दल को सदन का मुख्य विपक्षी दल और उनके नेता डॉ. चरण दास महंत सदस्य को प्रतिपक्ष का नेता घोषित करता हूं। (मेजों की थपथपाहट)

समय :
1.31 बजे **वर्ष 2023-23 की शेष अवधि के लिए कार्यमंत्रणा समिति के सदस्यों की घोषणा**

अध्यक्ष महोदय :- छत्तीसगढ़ विधान सभा की प्रक्रिया तथा कार्य संचालन संबंधी नियमावली के नियम 203 के उप नियम (1) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं कार्यमंत्रणा समिति के लिए वर्ष 2023-24 की शेष अवधि हेतु सेवा करने के लिए नियुक्त करता हूं।

कार्यमंत्रणा समिति

1. श्री विष्णुदेव साय, मुख्यमंत्री
2. श्री अरूण साव, उप मुख्यमंत्री,
3. श्री विजय शर्मा, उप मुख्यमंत्री,
4. श्री बृजमोहन अग्रवाल, सदस्य,
5. डॉ. चरण दास महंत, सदस्य,
6. श्री भूपेश बघेल, सदस्य,
7. श्री कवासी लखमा, सदस्य,
8. श्री लखेश्वर बघेल, सदस्य

विशेष आमंत्रित सदस्य

1. श्री अजय चन्द्राकर, सदस्य

अध्यक्ष, विधान सभा इस समिति के पदेन सभापति होंगे।

अशोधित/प्रकाशन के लिये नहीं

अध्यक्ष महोदय :- सभा की कार्यवाही बुधवार दिनांक 20 दिसम्बर, 2023 के 11.00 बजे दिन तक के लिए स्थगित की जाती है।

(अपराह्न 1 बजकर 32 मिनट पर विधान सभा की कार्यवाही बुधवार दिनांक 20 दिसम्बर, 2023 (अग्रहायण 29, 1945) के पूर्वाह्न 11.00 बजे तक के लिए स्थगित हुई)

दिनेश शर्मा

रायपुर (छत्तीसगढ़) **सचिव**

दिनांक : 19 दिसम्बर, 2023 **छत्तीसगढ़ विधान सभा**

अशोधित/प्रकाशन के लिये नहीं